

PROF. WAMAN KENDRE

Prof. Waman Kendre is an eminent multifaceted theatre personality with a graduation in Arts from Dr. Babasaheb Ambedkar Maratwada University and post graduation diploma in theatre arts from National School of Drama. He has done practice-oriented research on the Folk and Ritualistic Theatre of Kerala and had been a Research Associate with the Theatre Development Centre, NCPA, Mumbai for nine and a half year.

2. Born on January 17, 1957, Prof. Kendre served as Prof. and Director, Academy of Theatre Arts, University of Mumbai (2002-2013) & also served as Director of National School of Drama, New Delhi from August 2013- September 2018. His teaching experience spans almost thirty five years and he has conducted more than three hundred workshops on varying aspects of theatre in India and abroad.

3. Prof. Kendre was actively involved in Dalit theatre movement and contributed a lot for its development. He has enriched experimental and parallel theatre, amateur, professional and children theatre, folk and tribal theatre tradition by his innovative contributions. His productions Zulwa (1987), Janemann (NSD Rep. 2002), Ranangan (1999), Madhyam Vyayog(2004) Tempt Menot (NCPA, 1992), Nati Goti (1990), Gadhe Ki Barat (SRC, 1998), Ladi Nazariya (NSD, 1994), Lagi lagan (NSD 2016) are considered to be landmarks owing to their sensitive approach towards the sufferings of those sections of society that are rarely talked about. His theatre expression has really given a voice to underprivileged and marginal communities. His vision has provided international platform for Indian theatre. As a result one of the biggest world theatre event '8th theatre Olympics 2018' was successfully organized by NSD, Ministry of Culture, Govt. of India, under his able leadership.

4. At present Prof. Kendre is member CBFC (Central Board of Film Certification) Govt. of India. He has been actively involved in the administration of reputed organizations like NCPA, Academy of Theatre Arts, University of Mumbai, NSD etc. He has held positions in advisory committees and governing councils including Vision Plan Committee (NSD), Rajya Marathi Vikas Sanstha (Govt. of Maharashtra), Advisory Committee Dept. of Drama (Rajasthan University, Jaipur), Governing Council & Executive Committee (West Zonal Culture Centre, Udaipur), Academic Council (Univ. of Mumbai), Vision Plan Committee (Govt. of Goa), Advisory Committee of All India Radio & Doordarshan governing Council (Satyajit Ray Film and Television Institute), Governing and Academic Council member of FTII, Pune and member of High Powered Committee of UGC. He has been a member of 11th Five Year Plan performing Arts, Planning Commission, Govt. of India.

5. Prof. Kendre has given international reputation to NSD. As a result he is the President of International forum (APB) Asia Pacific Bond of Theatre Schools since October, 2016. He is also Vice President of (GATS) Global Alliance of Theatre Schools (A World Theatre Forum) since July, 2016. His play 'Char Divas Premache' celebrated its 1000th show on 1st May, 2009. He holds an unbroken record for being the singly person to win three positions for Best Play & Best Director at the Government of Maharashtra's State Professional Drama competition in 1989.

6. Prof. Kendre's multifarious contribution in the field of theatre have been acknowledged with various awards including the National Award conferred by the President of India for Theatre Direction (Sangeet Natak Academi, 2012), the first Manohar Singh Smriti Puraskar (Instituted by NSD & the Ministry of Culture, Govt. of India for outstanding multifaceted contribution to the field of Theatre Arts, 2004), Five times Maharashtra Govt. State Award, Sahyog Foundation Award (1999), Marathwada Gaurav Award (2002), Maharashtra Times Award (2006), Natya Darpan Awards (1989,1992, 1996), Padmshri Daya Pawar Smriti Puraskar (2007) and State Award for Best Music (Priya Bawari, 2012) among others.

पद्म श्री



प्रो. वामन केंद्रे



प्रो.वामन केंद्रे डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय से कला स्नातक और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से रंगमंच कला में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के साथ एक प्रख्यात बहुआयामीरंगमंच से जुड़े व्यक्ति हैं। आपने केरल के लोक और पारंपरिक रंगमंच पर व्यवहारपरकशोध किया है और साढ़े नौ साल तक थिएटर डेवलपमेंट सेंटर, एनसीपीए, मुंबई में रिसर्च एसोसिएट रहे हैं।

2 आपका जन्म 17 जनवरी, 1957 को हुआ था। आपने प्रो. और निदेशक के रूप में, एकेडमी ऑफ थिएटर आर्ट्स मुंबई विश्वविद्यालय (2002-2013) में कार्य किया और अगस्त, 2013 से सितंबर 2018 तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के निदेशक के रूप में भी कार्य किया। आपका शिक्षण अनुभव लगभग पैंतीस वर्षों का है और आपने भारत और विदेशों में रंगमंच के विभिन्न पहलुओं पर तीन सौ से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

3. आप दलित रंगमंच आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल थे और आपनेइसके विकास में भरपूर योगदान दिया। आपने अपने अभिनव योगदान से प्रयोगधर्मी और समानांतर रंगमंच, शौकिया, पेशेवर और बाल रंगमंच, लोक और जनजातीय रंगमंच परंपरा को समृद्ध किया है। आपके प्रोडक्शन ज़ुल्वा (1987), जानेमन (एनएसडी रेप. 2002), रणांगन (1999), मध्यम व्यायोग (2004) टेम्प्ट मेनोट (एनसीपीए, 1992), नाती गोती (1990), गधे की बारात (एसआरसी, 1998), लड़ी नजरिया (एनएसडी, 1994), लागी लगन (एनएसडी2016) को समाज के उन वर्गों की पीड़ाओं के प्रति उनके संवेदनशील दृष्टिकोण के कारण ऐतिहासिक माना जाता है, जिनके बारे में शायद ही कभी बात की जाती है। आपकी रंगमंचीय अभिव्यक्ति ने वास्तव में वंचित और पिछड़े समुदायों कोएक आवाज दी है। आपकी दृष्टि ने भारतीय रंगमंच को अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया है। परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उनके सक्षम नेतृत्व में सबसे बड़े विश्व थिएटर कार्यक्रममें 8वें थियेटर ओलंपिक कार्यक्रम, 2018 का सफल आयोजन किया गया।

4. वर्तमान में,आप भारत सरकार के सीबीएफसी (केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड) के सदस्य हैं। आप एनसीपीए, थियेटर आर्ट्स अकादमी, मुंबई विश्वविद्यालय, एनएसडीआदि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के प्रशासन में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। आपने सलाहकार समितियों और शासी परिषदों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया है, जिनमें विजन प्लान कमेटी (एनएसडी), राज्य मराठी विकास संस्था (महाराष्ट्र सरकार), नाटक विभाग की सलाहकार समिति (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर) शासी परिषद और कार्यकारी समिति (पश्चिम क्षेत्र संस्कृति केंद्र, उदयपुर), अकादमिक परिषद (मुंबई विश्वविद्यालय), विजन प्लान कमेटी (गोवा सरकार), आकाशवाणी और दूरदर्शन शासी परिषद (सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान) की सलाहकार समिति, एफटीआईआई, पुणे की शासी और अकादमिक परिषद और यूजीसी की उच्चाधिकार प्राप्त समिति आदि शामिल हैं। आप योजना आयोग, भारत सरकार की11वीं पंचवर्षीय योजना प्रदर्शन कला के सदस्य रहे हैं।

5. आपने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलवाई है। परिणामस्वरूप, आप अक्टूबर, 2016 से अंतर्राष्ट्रीय फोरम (एपीबी) एशिया पैसिफिक बॉन्ड ऑफ थिएटर स्कूलों के अध्यक्ष हैं। आप जुलाई, 2016 से ग्लोबल एलायंस ऑफ़ थिएटर स्कूल्स (एक विश्वस्तरीय फ़ोरम) के उपाध्यक्ष (जीएटीएस) भी हैं। आपके प्ले 'चार दिवस प्रेमचे' का 1 मई, 2009 को 1000 वां शो आयोजित किया गया। आपने 1989 में महाराष्ट्र सरकार की राज्य पेशेवर नाट्य प्रतियोगिता में अकेले ही सर्वश्रेष्ठ नाटक और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए तीन स्थान प्राप्त करने वाले व्यक्ति होने का एक अटूट कीर्तिमान बनाया है।

6. प्रो.केन्द्रे के रंगमंच के क्षेत्र में विविध योगदान के फलस्वरूप आपको रंगमंच निर्देशन (संगीत नाटक अकादमी, 2012) के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए गए राष्ट्रीय पुरस्कार बहुआयामी हैं, प्रथम मनोहर सिंह स्मृति पुरस्कार (थिएटर कलाके क्षेत्र में उल्लेखनीय बहुमुखी योगदान, 2004 के लिए, एनएसडी और संस्कृतिमंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थापित) पांच बार महाराष्ट्र सरकार राज्य पुरस्कार, सहयोग फाउंडेशन पुरस्कार (1999), मराठवाड़ा गौरव पुरस्कार (2002), महाराष्ट्र टाइम्स अवार्ड (2006), नाट्य दर्पण पुरस्कार (1989,1992, 1996), पद्मश्री दया पवार स्मृति पुरस्कार (2007) और सर्वश्रेष्ठ संगीत का राज्य पुरस्कार (प्रिया बावरी, 2012) आदि सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है